सुविचार

'इंतज़ार करने वालों को सिर्फ उतना मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं'।

दैनिक

सामुदायिक प्रेषण

कलम की ताकत और जनता का विश्वास

क्षेत्र का अग्रणी मीडिया समूह

● जयपुर से प्रकाशित ● खबरों में निरन्तरता , निष्पक्षता और निड़रता ●RNI.NO - RJHIN/25/A3277

वर्ष : 1 | अंक : 175 | हिन्दी | दैनिक | शनिवार 2 मई 2026 | कुल पृष्ठ - 4 / पीडीएफ - 6 | संपादक - ओमप्रकाश जागिड़

आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रू994 तक महंगा

नई दिल्ली

कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 मई से 994 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3071.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर की कीमतों में 261 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 'छोटू' सिलेंडर की रिफिल कीमत 813.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं। मई में होने वाले 4 बड़े बदलाव 1. कॉमर्शियल सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा बदलावः तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ?994 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत ?3071.50 हो गई है। पहले ये ?2078.50 में मिल रहा था। असरः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं।

ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगेः ट्रम्प

मैंने वहां जो किया वो कामयाब रहा, ईरानी सरकार ने 42,000 बेगुनाहों को मारा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप (दुनिया) इससे सहमत हैं, तो मैंने जो किया वह पूरी तरह सफल रहा, क्योंकि हमारी सेना ने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान की सरकार ने वहां विरोध प्रदर्शन करने वाले 42,000 बेगुनाह और निहत्थे लोगों की हत्या की है। यह एक उग्रवादी समूह है, लेकिन हमने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया है और उनकी अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है। वहीं, अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया है कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है।. ट्रम्प की धमकीः ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर अपनी फोटो शेयर कर कहा, तूफान आगे बढ़ रहा है। इसे कोई रोक नहीं पाएगा। 2. ईरान का जवाबः सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा, हम हमलावरों को समंदर में डुबो देंगे। फारस की खाड़ी में उनके लिए कोई जगह नहीं है। 3. तेल की कीमत बढ़ीः गुरुवार को कच्चे तेल की कीमत तेजी से बढ़कर करीब 126 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई। यह 4 साल में सबसे ज्यादा थी। बाद में यह कम होकर 115 के करीब पहुंची। 4. मुजतबा की सेहत पर सस्पेंसः मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर अब भी साफ जानकारी सामने नहीं आई है। वह अभी तक कभी सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं।

एक्सपर्ट बोले- ईरान-अमेरिका में फिर जंग शुरू हो सकती है

मिलिट्री एक्सपर्ट अलेक्जेंड्रू हुडिस्टेनु का कहना है कि सीजफायर के दौरान मिले समय का इस्तेमाल ईरान और अमेरिका दोनों अपनी रणनीति मजबूत करने में कर रहे हैं। मतलब दोनों तरफ से बातचीत भी चल रही है, लेकिन अगर बात नहीं बनी तो फिर से जंग हो सकती है। अमेरिका ने इलाके में और ज्यादा एडवांस मिसाइलें तैनात कर दी हैं, लेकिन जमीन पर सेना भेजने की संभावना कम लग रही है।

लेबनान में इजराइल से डर कर भाग रहे लोगों को जगह नहीं मिल रही

लेबनान के दक्षिणी इलाकों से लोग लगातार भागकर सैदा शहर के सरकारी शेल्टर में आ रहे हैं, लेकिन अब वहां जगह ही नहीं बची है। पिछले 3 दिनों में इजराइली सेना ने 20 से ज्यादा गांवों को धमकी दी है। लोग डर के कारण घर छोड़ रहे हैं। शेल्टर चलाने वालों ने बताया कि अब टेंट भी कम पड़ गए हैं और कई लोगों को वापस भेजना पड़ रहा है। एक परिवार अपनी कार में सो रहा था, यहां तक कि उनका बच्चा कार की छत पर सो रहा था। लोगों का कहना है कि उनके गांव अब खाली हो चुके हैं और हर समय ऊपर से लड़ाकू विमान और ड्रोन की आवाज सुनाई देती है। 16 अप्रैल को सीजफायर लागू होने के बाद भी अब तक करीब 70 लोगों की मौत हो चुकी है।

5. अमेरिकी एयरक्राफ्ट लौटाः दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड अब 300 दिनों से ज्यादा की रिकॉर्ड तैनाती के बाद अमेरिका लौट रहा है।लेबनान के पीएम ने अमेरिकी राजदूत से मुलाकात की लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने अमेरिका के राजदूत मिशेल इस्सा से मुलाकात की। यह बैठक ग्रैंड सेरायल में हुई।

बेंगलुरु में जनगणना के लिए पहुंची महिला कर्मचारी से बदसलूकी

जरूरी जानकारी देने से भी इनकार किया, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

बेंगलुरु

बेंगलुरु में नेशनल जनगणना के काम के दौरान एक महिला अधिकारी के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिसने महिला कर्मचारी को गाली दी और काम करने से रोका। पुलिस ने बताया कि घटना 30 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे की है। महिला एन्यूमरेटर जनगणना के काम के लिए टी दसरहल्ली इलाके के मल्लासंद्रा में एक घर पर गई थीं। उसी दौरान आरोपी ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। कर्मचारी से गाली-गलौज की शिकायत जनगणना सुपरवाइजरी ऑफिसर योगेश ओ जी ने दर्ज कराई है। उनके मुताबिक आनंद मुनियप्पा नाम के व्यक्ति ने जनगणना का काम रोकने की कोशिश की और महिला कर्मचारी से गाली-गलौज की। FIR में कहा गया है कि उसने जरूरी जानकारी देने से भी इनकार कर दिया। इसी के साथ आरोपी ने महिला अधिकारी को उनकी ड्यूटी करने से भी रोका। पुलिस के अनुसार, इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और जनगणना अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। बागलगुंटे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, बेंगलुरु नॉर्थ सिटी कॉर्पोरेशन ने लोगों से अपील की है कि वे जनगणना के काम में सहयोग करें, ताकि यह प्रक्रिया सही तरीके से पूरी हो सके।

योगी आदित्यनाथ के बयान पर अखिलेश यादव का पलटवार, हालात के हिसाब से रंग बदलती है सरकार

लखनऊ ।

बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के के 'गिरगिट' वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सरकार हालात के हिसाब से अपना रुख बदलती है और जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय चुनौतियों से भरा है और समाज को मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। इस दौरान उन्होंने बौद्ध आस्था से जुड़े प्रमुख स्थलों लुंबनी, सारनाथ और कुशीनगर के विकास के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि इन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाना जरूरी है। मुख्यमंत्री के 'गिरगिट' वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि असल में सत्ता पक्ष ही परिस्थितियों के अनुसार अपने बयान बदलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'नारी वंदन' जैसे मुद्दों को नारे के रूप में इस्तेमाल कर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश की जनता सब समझ चुकी है और बदलाव चाहती है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह सभी दलों की सहमति से पारित हुआ था, लेकिन भाजपा इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे को उछालकर अन्य ज्वलंत समस्याओं से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। सपा प्रमुख ने परिसीमन और संशोधन से जुड़े मामलों पर भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से आंकड़ों के आधार पर राजनीतिक रणनीति तैयार की जा रही है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने 'बुलडोजर नीति' की आलोचना करते हुए हरदोई और वाराणसी की घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना, गेहूं खरीद में देरी, श्रम कानूनों में बदलाव और अयोध्या मास्टर प्लान में बार-बार संशोधन जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतियों के जरिए चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचा रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षुओं ने हिस्सा लिया। 'बुद्धं शरणं गच्छामि' के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा और भिक्षुओं ने बौद्ध धर्म के उपदेशों का पाठ किया। वक्ताओं ने सामाजिक न्याय, महिलाओं के सशक्तिकरण और पिछड़े वर्गों के अधिकारों पर भी अपने विचार रखे।

GST कलेक्शन रू2.42 लाख करोड़, यह अब तक सबसे ज्यादा

नई दिल्ली

भारत के ग्रॉस GST कलेक्शन ने अप्रैल महीने में रू2.42 लाख करोड़ का नया रिकॉर्ड बनाया। सरकारी डेटा के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के मुकाबले इसमें 8.7' की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले सबसे ज्यादा कलेक्शन अप्रैल 2025 में रू2.23 लाख करोड़ रहा था। आमतौर पर हर साल अप्रैल के महीने में टैक्स कलेक्शन मजबूत रहता है। इसका मुख्य कारण यह है कि मार्च में वित्त वर्ष खत्म होते समय कंपनियां अपने पूरे साल के खातों का मिलान (रिकन्सिलिएशन) करती हैं। इसके चलते बकाया टैक्स का भुगतान अप्रैल में किया जाता है। नेट GST कलेक्शन रू2.11 लाख करोड़ रहा अप्रैल 2026 में नेट GST कलेक्शन रू2.11 लाख करोड़ दर्ज किया गया।

सुप्रीम-कोर्ट ने पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी

कहा- बिना बताए भारत न छोड़ें; कांग्रेस बोली- खेड़ा को डराने के लिए 60 पुलिसकर्मी भेजे गए

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। मामला असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये आरोप लगाए थे। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में FIR दर्ज कराई थी इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर रेड की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रभावित लगते हैं। लेकिन पवन खेड़ा को असम पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा और वे बिना अदालत की अनुमति के भारत नहीं छोड़ सकते। कोर्ट के फैसले के बाद जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर कहा- 60 पुलिसवालों को खेड़ा के घर पर भेज दिया। भारी संख्या में पुलिस भेजने का कारण सिर्फ डराना और उत्पीड़न करना था।कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद असम सीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि- मुझे किसी से भी लोकतंत्र पर सबक सीखने की जरूरत नहीं है। इस केस में असली मुद्दा यह है कि एक महिला की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर उछाला गया, जिसका राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अदालतें जल्द ही या बाद में इस पर संज्ञान लेंगी और चुनावी परिणामों को प्रभावित करने के लिए झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वालों को सजा मिलेगी।

कांग्रेस बोली- ऐसी कई बातें हैं जो हम बोल नहीं सकते

कोर्ट की सुनवाई खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री को तीन पन्नों में कोट किया है। ऐसी कई बातें हैं जो न न्यायालय कोट कर सकता है और न हम यहां बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में असम के मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ये शोभा देता है हम चाहते हैं कि असम के मुख्यमंत्री इस बारे में गंभीरतापूर्वक विचार कर खेद व्यक्त करें।

बीए द्वितीय सेमेस्टर में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की मिड टर्म परीक्षा 4,5 और 6 मई को

सामुदायिक प्रेषण

नांगल राजावतान /रोशन लाल मीना । नांगल राजावतान उदयपुरिया रोड पर संचालित राजकीय महाविद्यालय में बीए द्वितीय सेमेस्टर में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की मिड टर्म परीक्षा 4,5 और 6 मई को महाविद्यालय में आयोजित की जाएगी। सभी छात्र-छात्राएं प्रातः 10:00 बजे महाविद्यालय पहुंचकर मिड टर्म परीक्षा में अपनी उपस्थित दर्ज करावें। जो छात्र-छात्राएं मिड टर्म परीक्षा में उपस्थित नहीं होंगे वह राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाएंगे। मिड टर्म परीक्षा का टाइम टेबल व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर कर दिया है और नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दिया है। परीक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु परीक्षा प्रभारी डॉ.आशुतोष मीणा एवं सह प्रभारी मक्खन लाल मीणा से संपर्क किया जा सकता है।

ग्राम रथ अभियान 2026 : 2 मई को छः विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में जायेंगे प्रचार रथ

सामुदायिक प्रेषण

श्रीगंगानगर । राज्य सरकार के निर्देशानुसार कृषक, पशुपालकों और ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए ग्राम रथ अभियान द्वारा जिले की छः विधानसभाओं में एलईडी वैन द्वारा विभिन्न गांवों में जाकर राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। शनिवार को इन गांवों में पहुंचेगा प्रचार रथ जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने बताया कि 2 मई को रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के सरदारपुराबीका, सतजण्डा, नानूवाला, 40 एनपी, ठण्डी, सूरतगढ़ विधानसभा के 7 एसजीएम, 28 पीबीएन, भगवानसर, मानकसर, श्रीकरणपुर विधानसभा के 13 एफएफ मानकसर, 52 जीजी, 48 जीजी श्रीनगर, 2 एमएम धरिंगावाली, अनूपगढ़ विधानसभा के 4 एलएम, 6 एनडी, 11/12 एनडी, 3 एनएम, 20 एलएम, 15 एलएम, 9 एलएम बी, श्रीगंगानगर विधानसभा के 21 जीजी, 18 जीजी, 5 जी, 4 जैड, सादुलशहर विधानसभा के मन्नीवाली, छापांवाली व किलांवाली गांवों में एलईडी वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जायेगा। इसी प्रकार 3 मई को रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के ठाकरी, 11 टीके, 22 पीएस, 66 आरबी, सूरतगढ़ विधानसभा के अमरपुरा, भैरूपुरा, पदमपुरा, 13 सडी, जानकीदासवाला, श्रीकरणपुर विधानसभा के 46 एफ मौडा, 10 ओ तेजेवाला, अरायण, 25 एफ गुलाबेवाला, अनूपगढ़ विधानसभा के 15 एबी, 5 पी, 1 एनडब्लयूएम (नाइयांवाली), 6 पी, 11 पी (पतरोड़ा), 6 एच, 18 पी, श्रीगंगानगर विधानसभा के साधुवाली, 3 वाई, कालियां, खाटलबाना, सादुलशहर विधानसभा के मोरजण्डखारी, मम्मडखेडा व सुन्दरपुरा गांवों में एलईडी वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

इसी प्रकार 4 मई को रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र फौजूवाला, 71 आरबी, लुहारा, गगूवाला, सूरतगढ़ विधानसभा के 1 एएस, रघूनाथपुरा, गुडली, गोविन्दसर, हिंजरासर, बख्तावरपुरा, श्रीकरणपुर विधानसभा के 25 एच दलपतसिंहपुर, लखिया 4 ओ, 3 ओ, 15 ओ, अनूपगढ़ विधानसभा के 8 केबी, 22 ए, 27 ए, 4 एमएसआर, 90 जीबी, 12 एच, श्रीगंगानगर विधानसभा के शिवपुर हैड, फतुही, दुलापुर केरी, ओडकी, सादुलशहर विधानसभा के सरदापुराजीवन, जयमीतसिंहवाला व पन्नीवाली गांवों में एलईडी वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

झालरापाटन में खटीक समाज का सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

सामुदायिक प्रेषण

राजेश भावसार सोयतकलां। सुसनेर झालरापाटन राजस्थान के झालावाड़ जिले के झालरापाटन में खटीक समाज द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया।जिसमें 14जोड़े परिणय सुत्र में बंधे। सामुहिक विवाह समारोह में सामाजिक समरसता सादगी मितव्ययिता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया गया,जो फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने में सहायक होता है।ऐसे आयोजनों से गरीब परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान होता है,साथ ही समाज को एक मंच पर लाकर भाईचारे का संदेश देता है।आदर्श खटीक समाज सामुहिक विवाह सम्मेलन सेवा समिति झालरापाटन द्वारा नवदंपतियों को शुभकामनाऐं,एवं बधाईयाँ दी गई।तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

व्यवस्था की चौखट पर दम तोड़ती उम्मीदें जेके मजदूरों के संघर्ष के 438 दिन

सामुदायिक प्रेषण

कोटा। आज जब दुनिया 'मई दिवस' पर मजदूरों के पसीने की कीमत और उनके अधिकारों का गुणगान कर रही है, राजस्थान के शिक्षा और औद्योगिक केंद्र कोटा में एक कड़वी सच्चाई जिला कलेक्ट्री के बाहर धरने पर बैठी है। जेके इंडस्ट्रीज के मजदूरों के हक की लड़ाई आज 438वें दिन में प्रवेश कर गई है। यह केवल एक धरना नहीं, बल्कि उन 'काले अंग्रेजों' की मानसिकता के खिलाफ एक युद्ध है, जिन्होंने व्यवस्था को अपनी मुट्ठी में कर रखा है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला: कागजों में जीत, धरातल पर हार

हैरानी की बात यह है कि इन मजदूरों के पास देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का फैसला हक में है। कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिए हैं कि मजदूरों को उनकी बकाया राशि का भुगतान किया जाए। लेकिन विडंबना देखिए, कानून के रक्षक ही आज मौन साधे बैठे हैं। प्रशासन और प्रबंधन के बीच की सांठगांठ ने कोर्ट के आदेश को रद्दी का टुकड़ा बना दिया है।

जनप्रतिनिधियों का 'मजदूर विरोधी' चेहरा

लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधि इसलिए चुनती है ताकि वे उनके दुख-दर्द में आवाज बन सकें। लेकिन कोटा के मजदूरों का आरोप है कि यहाँ के जनप्रतिनिधि पूर्णतः मजदूर विरोधी साबित हुए हैं।

मौन की राजनीति: 438 दिनों के इस लंबे संघर्ष में एक भी स्थानीय बड़े नेता ने सदन में या सार्वजनिक मंच पर इन मजदूरों के समर्थन में आवाज नहीं उठाई।

चुनावी वादे बनाम हकीकत: चुनाव के समय हाथ जोड़ने वाले नेता आज इन बिलखते परिवारों से नजरें चुरा रहे हैं।

मीडिया का 'ब्लैकआउट': लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सवाल

मजदूरों का दर्द केवल सत्ता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे मीडिया की बेरुखी से भी आहत हैं। राजस्थान पत्रिका और दैनिक भास्कर जैसे बड़े संस्थानों पर यह आरोप लग रहा है कि वे इस मानवीय संकट को जगह नहीं दे रहे हैं। जब मुख्यधारा का मीडिया ही मजदूरों की चीखें दबाने लगे, तो जनता को लगने लगता है कि देश 'गोरे अंग्रेजों' से तो आजाद हो गया, लेकिन आज भी 'काले अंग्रेजों' (पूंजीपति और भ्रष्ट तंत्र) की गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ है।

कथनी और करनी का अंतर

मजदूरों का कहना है कि आज का भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव तो मना रहा है, लेकिन एक मजदूर अपने ही देश में 'गुलाम' जैसा महसूस कर रहा है। नेताओं की 'कथनी और करनी' में जमीन-आसमान का अंतर है। एक तरफ विकास के बड़े-बड़े दावे हैं, और दूसरी तरफ 438 दिनों से धूप, बारिश और ठंड में न्याय की भीख मांगते परिवार। 'क्या मजदूर होना ही सबसे बड़ा गुनाह है? अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी लागू नहीं हो सकता, तो एक आम नागरिक न्याय की उम्मीद किससे करे?' – धरने पर बैठा एक पीड़ित मजदूर

निष्कर्ष – आज का मजदूर दिवस कोटा के जेके मजदूरों के लिए उत्सव नहीं, बल्कि एक और काला दिन है। यह संघर्ष अब केवल पैसों का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और न्याय का है। यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधि अब भी नहीं जागे, तो इतिहास इन्हें 'मजदूरों के हक का हत्यारा' होने के लिए कभी माफ नहीं करेगा। कोटा की जनता अब जागरूक हो चुकी है और वह देख रही है कि कौन उनके साथ खड़ा है और कौन सत्ता की गोद में बैठकर तमाशा देख रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन

सामुदायिक प्रेषण

दिनेश कुमार प्रजापत/ सांगानेर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस 3 मई के अवसर पर बैरवा धर्मशाला रेनवाल मांझी में एनएसयूआई नेता किशन बैरवा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार उनके करकमलों द्वारा किया गया। एनएसयूआई नेता किशन बैरवा के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा कार्य को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अशोक गहलोत से मुलाकात कर कार्यक्रम की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने इस पुनीत पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो किसी जरूरतमंद को जीवनदान देने का कार्य करता है। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि 3 मई को आयोजित होने वाले इस रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं एवं समाजसेवियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आमजन से भी अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। किशन बैरवा ने बताया यह आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों को समर्पित है, जो अशोक गहलोत की जनकल्याणकारी सोच और प्रेरणा का परिणाम है। इस दौरान हरसूलिया ग्राम पंचायत के सरपंच दयाल राम सैनी, एडवोकेट अनिल बैरवा, बैरवा धर्मशाला अध्यक्ष रामस्वरूप गोठवाल , समाजसेवी हनुमान गोठवाल, गंगाराम बैरवा पूर्व सरपंच, धर्मेंद्र निठारवाल , युवा नेता जीतू टाटिवाल ,हजारीलाल गोठवाल, पांचू राम बैरवा इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

स्वर्ण महल बैंक्वेट में आयोजित हुई हर्बल लाइफ़ एसोसिएट ग्रोथ माइंडसेट सक्सेस ट्रेनिंग शोभा शर्मा ने रचा इम्तिहान 'ग्लोबल एक्सपेंशन टीम' में बनाई अपनी जगह

सामुदायिक प्रेषण

नांगल राजावतान/रोशन लाल मीना । हर्बल लाइफ़ एसोसिएट ग्रोथ माइंडसेट सक्सेस ट्रेनिंग का हुआ आयोजन। इस कम्युनिटी की खास बात सक्सेस व मेहनत है। मुख्य अथिति हनुमान छनग व आशुतोष मिश्रा का तिलक लगाकर व मोली बांधकर, गुलाब देकर भव्य स्वागत किया। पुरानी परंपरा अनुसार सबसे पूर्व गणेश जी के समक्ष उपस्थित होकर दीप प्रज्वलित कर, खुशहाली की कामना करते हुए गणेश जी की आरती की।

गेस्ट स्पीकर : हनुमान छनग ने अपनी वास्तविक जीवन जीने की कला के बारे में अपने विचार व्यक्त किए जिसमें उन्होंने भरण-पोषण से लेकर जीवन शैली से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की और मुद्दे वास्तविक जीवन से परे थे। जीवन में कुछ अच्छा करना है तो संगति का पर ध्यान दो अपने-अपने विचार लिखकर उस सपने को पूरा करने में लगाओ। इस ट्रेनिंग में 500 व्यक्तियों ने पिया फॉर्मूला 1 मिल्क कुल्फ़ी शेख।

आशुतोष मिश्रा ने कहा कि : जीवन में आई चुनौतियों को पूरा करने में इस जीवन का अहम रोल है क्योंकि हमारा शरीर इस चुनौती को आज पूरा नहीं कर सका तो जीवन में कुछ भी नहीं कर सका। भय (डर) के साथ जिंदगी ना जिए, जिंदगी जीनी है तो खुलकर जिए ईमानदारी से अथैक्सा व धैर्य के साथ साथ काम करें। अपने निर्णय खुद लेना सीखे। 80 प्रतिशत न्यूट्रिशन व पोषण व 20% एक्सरसाइज से ठीक हो सकता है, हमारे शरीर को न्यूट्रीशन और पोषण की भरपूर आवश्यकता होती है। भरत सिंह चौहान ने बताया कि हर्बल लाइफ एक ऑपच्यरुनिटी ही नहीं बल्कि दुनिया की एक नं. 1 मिसाल वह कायमता पूर्ण ग्रोथ सक्सेस ट्रेनिंग है जिसमें लोगों को दुनिया का नंबर वन खाना वह जीवन शैली के बारे में जानकारी दी जाती है। विमल शर्मा दौसा ने कहा कि - हर्बल लाइफ एक सक्सेस ट्रेनिंग होने के नाते 'हमें जीवन जीना सिखाती है' वह जीवन शैली से जुड़े महत्व बताती है यह एक मूलमंत्र ही नहीं बल्कि अपनी वास्तविककला को प्रदर्शित करती है इस ट्रेनिंग का अर्थ लोगों को पोषण युक्त सही जानकारी देने से है। हम लोगों की जीवन शैली के ऊपर बात करते हैं क्योंकि बढ़ती जीवन शैली, बिगड़ता खानपान और भागदौड़ वाली जिंदगी में हम अपनी सेहत के लिए 20% एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते हैं, इसलिए हमारा एनर्जी लेवल भी डाउन हो जाता है। इस पर अभी ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में इस दुनिया में बीमारियों का क्रेज बढ़ जाएगा। शोभा शर्मा ने G.E.T. टीम क्वालीफाई की।

शोभा शर्मा दौसा ने कहा कि – अपने मूल व्यक्तित्व की जानकारी देते हुए बताया कि मैं बिगड़ी हुई जीवन शैली से बखूबी वाकिफ हूं। जब से मुझे मेरे कोच विमल शर्मा ने हर्बल लाइफ के बारे में बताया तब से मैं नियमित इसे ले रही हूं और आज मैं स्वस्थ हूं धन्यवाद देती हूं इस कम्युनिटी को। आज मैंने मेरे दम पर मैने 'ग्लोबल एक्सपेंशन टीम' के रूप में अपनी पहचान बनाई है। जिसका श्रेय मैं मेरे कोच विमल शर्मा मेंटॉर भरत सिंह चौहान मेरे माता-पिता वह पति मुकेश कुमार शर्मा वह पुत्र वंश शर्मा, अमन शर्मा को देती हूं जिन्होंने मेरा साथ दिया और विश्वास बनाए रखा। इस ट्रेनिंग में हनुमान छनग, आशुतोष मिश्रा, भरत सिंह चौहान विमल शर्मा, भैरों सिंह राजावत, शिव सिंह तंवर, मिथलेश तंवर, संजय सैनी, ब्रम्हानन्द उपाध्याय, नरेश सिंह राजावत, महावीर सिंह चौहान, राजेंद्र सिंह, हिमांशु पनिहार, दिनेश मीना, शकुन्तला देवी, मनीष शर्मा, शोभा शर्मा आदि मौजूद रहे।

जनगणना 2027 : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व-गणना में लिया भाग

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से राष्ट्र निर्माण के इस महाअभियान में जुड़ने की अपील की

सामुदायिक प्रेषण

चूरू / जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनगणना 2027 के तहत 1 मई से प्रारंभ हुई स्व-गणना में स्वयं भाग लेकर नागरिकों को प्रेरित किया। उन्होंने आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर अपना विवरण भरते हुए आवश्यक जानकारी दर्ज कर फॉर्म सबमिट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना 2027 डिजिटल और विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस महाअभियान से प्रत्येक नागरिक जुड़े एवं राष्ट्र निर्माण के इस कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग देकर इसे सफल बनाए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत प्रगणक 16 मई से घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना संबंधी कार्य शुरू करेंगे। इससे 15 दिन पहले 1 मई से 15 मई तक आमजन को स्व-गणना की विशेष सुविधा दी गई है, जिसमें नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं।

राज्यपाल बागडे ने लोकभवन में स्व-गणना के माध्यम से 'जनगणना 2027' की प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया

राज्यपाल बागडे ने जनगणना में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और स्व-गणना के माध्यम से सटीक और पूर्ण जानकारी प्रदान करने की अपील की

सामुदायिक प्रेषण

चूरू / जयपुर । राजस्थान में 'जनगणना 2027' की प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ शुक्रवार को राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे द्वारा लोक भवन में स्व-गणना के माध्यम से किया गया। इसके साथ ही राज्य भर में जनगणना गतिविधियों का पहला चरण शुरू हो गया है।

राज्यपाल बागडे ने आम जन से जनगणना के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्व-गणना के माध्यम से सटीक और पूर्ण जानकारी प्रदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जनगणना वेब पोर्टल को सरल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है, जिससे नागरिक बिना किसी कठिनाई के अपना विवरण भर सकेंगे। उन्होंने युवाओं और सामाजिक संगठनों से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे अन्य लोगों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने में सहायता करें ताकि कोई भी व्यक्ति इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। राज्यपाल ने कहा कि ''जनगणना-2027'' के पवित्र कार्य में आम जन का सहयोग ही राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में उनकी भागीदारी है। उन्होंने कहा कि गणनाकर्मियों का स्वागत करें। सही जानकारी दें। कोई भी संदेह हो तो हेल्पलाइन पर संपर्क करें। उल्लेखनीय है कि यह भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें डेटा का संग्रह डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नागरिकों को एक सुरक्षित वेब-आधारित प्रणाली के माध्यम से स्व-गणना की सुविधा प्रदान की गई है। जनगणना निदेशक विष्णु चरण मलिक ने बताया कि घर-घर जनगणना सर्वेक्षण से पहले, नागरिक 1 मई से 15 मई, 2026 तक वेब पोर्टल पर स्व-गणना सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस अवधि के दौरान, व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर और आवश्यक विवरण का उपयोग करके पोर्टल https//se.census.gov.in पर लॉग इन कर अपने और अपने परिवार के बारे में जानकारी डिजिटल रूप से जमा कर सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

सुसनेर के नगरीय एवं ग्रामीण क्षैत्रों में घर-घर हुआ गायत्री यज्ञ

सामुदायिक प्रेषण

राजेश भावसार सोयतकलां। सुसनेर,अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में उज्जैन उपजोन समन्वयक प्रभाकर सोनेने एवं राम आरण्यक आमला शक्तिपीठ के संस्थापक राधेश्याम गामी के मार्गदर्शन में ग्रहे -ग्रहे गायत्री यज्ञ के अनुक्रम में तहसील सुसनेर में 151 घरों में यज्ञ संपन्न हुआ।सोयत क्षैत्र के नेष्ठिक परिजनों एवं निष्ठावान सक्रिय कार्यकर्ताओं की घर घर सामग्री वितरण की अनुकरणीय पहल पर विकासखंड सुसनेर अंतर्गत सोयत में 60 घरों में,मोडी में 71 घरों में,धारूरुखेड़ी में 12 व इसी प्रकार में अन्य स्थानों पर भी यज्ञ संपन्न हुवे।यह क्रम अभी भी जारी है,इसमें जैन धर्म सहित सभी धर्मावलंबियों की सक्रिय भागीदारी रही।जनपद पंचायत सुसनेर के समीपस्थ ग्राम मोडी में भी संपन्न ग्रह ग्रह गायत्री यज्ञ में सभी गायत्री परिवार जनों की सक्रिय भूमिका रही।यज्ञ पुरोहित के रूप में सूत्रधार मार्गदर्शक भेरूलाल शर्मा सहसमनव्यक एवं मोडी प्रज्ञा संस्थान संस्थापक मोहनलाल टेलर,जिला समन्वयक गोवर्धन रातडिया,गिरीश शर्मा,सत्यप्रकाश शर्मा,सत्यनारायण बंसिया,संगीता-राधेश्याम शर्मा,रेखा फूलचंद,सविता-प्रशांत शर्मा,पुरुषोत्तम टेलर,डा.जगदीश बैरागी,डा.मुकेश पाटीदार की अहम सहभागिता रही।जानकारी गायत्री परिवार तहसील समन्वयक ओमप्रकाश पाटीदार मोड़ी ने दी।

आरपीएफ की मुस्तैदी से 'ऑपरेशन अमानत' सफल, ट्रेन में छूटा यात्री का 51 हजार रुपए रखा बैग लौटाया सुरक्षित

सामुदायिक प्रेषण

रमेश जांगिड उनियारा/ सवाई माधोपुर । सवाई माधोपुर रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ पुलिस ने एक बार फिर अपनी सतर्कता, ईमानदारी और यात्री सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। जहा आरपीएफ पुलिस ने 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत त्वरित कार्रवाई करते हुए एक यात्री का ट्रेन में छूटा बैग न केवल बरामद किया, बल्कि उसे सुरक्षित उसके परिजन को सौंपकर सराहनीय कार्य किया। आरपीएफ पुलिस से मिली जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 12955 से मुंबई से कोटा की यात्रा कर रहे 22 वर्षीय यात्री श्याम चौधरी का काले रंग का पिट्ठू बैग ट्रेन में छूट गया था। बैग में दो मोबाइल चार्जर और रू51,000 की नकद राशि रखी हुई थी। घटना की सूचना 'रेल मदद' के माध्यम से मिलते ही आरपीएफ टीम हरकत में आ गई। प्रधान आरक्षक धर्म सिंह सैनी ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए सवाई माधोपुर स्टेशन पर संबंधित ट्रेन को अटेंड किया और सघन तलाशी के दौरान यात्री का बैग बरामद कर उसे सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट पर जमा कराया। इसके तुरंत बाद यात्री को सूचित कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। यात्री के अनुरोध पर उनके पिता के मित्र इरफान अली को बैग प्राप्त करने के लिए सवाई माधोपुर भेजा गया। उपनिरीक्षक मनोज कुमार ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और नियमसम्मत तरीके से संपन्न करते हुए पहचान पत्र, टिकट और आधार कार्ड का विधिवत सत्यापन किया। पुलिस ने गवाहों की उपस्थिति में बैग सहित संपूर्ण सामान और रू51,000 की नकद राशि सुरक्षित सुपुर्द कर दी गई। सुपुर्दगी के समय प्राप्तकर्ता द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति या शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता स्पष्ट होती है। आरपीएफ का यह सराहनीय कार्य न केवल उनकी त्वरित कार्यशैली को दर्शाता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा, विश्वास और सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक ने ब्लैक स्पॉट का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

सामुदायिक प्रेषण

झुंझुनूं। आमजन की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने शुक्रवार को झुंझुनूं-चिड़ावा-पिलानी मार्ग पर स्थित दुर्घटना संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत सहित वृताधिकारी और थानाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर दुर्घटना संभावित स्थलों का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान सड़क की भौगोलिक स्थिति, सड़क किनारे उगी झाड़ियां, संकेत चिह्नों की स्थिति, सड़क की चौड़ाई तथा अन्य जोखिम कारकों का जायजा लिया गया, जो वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने चिन्हित कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य शीघ्र पूर्ण करवाएं, ताकि भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

मजदूर दिवस पर सैकड़ों श्रमिकों का आयोजन

बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ उठी आवाज,काम के घंटे कम करने, न्यूनतम वेतन बढ़ाने और रोजगार सृजन की मांग

सामुदायिक प्रेषण

रमेश जांगिड उनियारा/ सवाई माधोपुर । सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर आज अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बजरिया महावीर पार्क में केंद्रीय मजदूर संगठन एटक के बैनर तले एक सभा आयोजित की गई।इस दौरान क्षेत्र के सैकड़ों मजदूरों ने अपनी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया। कार्यक्रम का नेतृत्व रोडवेज सेवानिवृत कर्मचारी नेता देवी लाल बेरवा एवं राज्य कर्मचारियों के नेता लडडू लाल लोधा ने किया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े श्रमिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान सर्वप्रथम मजदूर आंदोलन में शहीद हुए मजदूरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदर्शन के दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए एटक के जिला सचिव रामगोपाल गुणसरिया ने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवादी नीतियों के कारण मजदूर वर्ग का लगातार शोषण हो रहा है। महंगाई आसमान छू रही है, जबकि मजदूरों की आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही, जिससे बेरोजगारी भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई के चलते निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली सामग्री जैसे बजरी, सीमेंट, ईंट और गिट्टी महंगी हो गई है, जिससे आम मजदूरों के लिए जीवन यापन कठिन होता जा रहा है। साथ ही रोजगार के अवसर भी सीमित हो रहे हैं, जिससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है। सभा में मजदूर नेताओं ने सरकार से कई मांगें रखीं, जिनमें प्रमुख रूप से कार्य के घंटे 8 से घटाकर 6 करने, पंजीकृत बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने, न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने, किसानों की उपज का वाजिब मूल्य सुनिश्चित करने और खेल मजदूरों के कल्याण हेतु योजनाएं लागू करने की मांग शामिल रही।

इसके अलावा, सीमेंट फैक्ट्री मजदूरों के लिए आवास योजना लागू करने, मनरेगा में सभी को रोजगार देने तथा श्रम विभाग की नियमित बैठक आयोजित कर श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई। कार्यक्रम में ओमप्रकाश शर्मा, सुलेखा सागर, मोइनुद्दीन, ब्रह्म दत्त, गुलफाम, अंजना कश्यप, प्रहलाद वर्मा सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया और मजदूर एकता को मजबूत करने का आह्वान किया।

जयपुर डिस्कॉम की सराहनीय पहल: दौसा में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 21 टीमें तैनात

सामुदायिक प्रेषण

दौसा /रामकेश गुर्जर। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डिस्कॉम) द्वारा आमजन को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भीषण गर्मी और बढ़ती मांग को देखते हुए जिले के पूरे वृत्त क्षेत्र में शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए एक प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है।

तीन शिफ्टों में काम कर रही हैं 21 एफआरटी टीमें – डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता एम.एल. मीणा ने बताया कि जिले के सभी 17 उपखण्डों में कुल 21 फॉल्ट रेक्टिफिकेशन टीमें (स्त्रञ्ज) सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इन टीमों का वितरण इस प्रकार है: दौसा शहर, दौसा ग्रामीण, लालसोट एवं बांदीकुई: प्रत्येक उपखण्ड में 2-2 टीमें।

अन्य उपखण्ड: प्रत्येक में 1-1 टीम निरंतर निगरानी कर रही है। ये टीमें 24 घंटे तीन अलग-अलग शिफ्टों में काम करती हैं। प्रत्येक टीम में प्रशिक्षित लाइनमैन, सहायक कर्मचारी और वाहन चालक को शामिल किया गया है ताकि तकनीकी खराबी की सूचना मिलते ही उसे तुरंत ठीक किया जा सके।

24 घंटे संचालित कॉल सेंटर: यहाँ करें शिकायत – उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला और कार्यालय स्तर पर कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं। बिजली संबंधी किसी भी समस्या के लिए उपभोक्ता निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

स्तर संपर्क नंबर – केंद्रीय कॉल सेंटर (टोल फ्री) 18001806507 दौसा वृत्त स्तर कॉल सेंटर 01427-231123, 9413391203 अधिशाषी अभियंता कार्यालय संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय पर संपर्क करें

आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन का लक्ष्य – अधीक्षण अभियंता ने स्पष्ट किया कि इन टीमों को आवश्यक संसाधन, अत्याधुनिक उपकरण और वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। डिस्कॉम का मुख्य लक्ष्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से उपभोक्ताओं को विश्वसनीय सेवा देना है।

अपील: डिस्कॉम प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या या फॉल्ट की जानकारी तुरंत नजदीकी कॉल सेंटर या उपखण्ड कार्यालय को दें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके और आपूर्ति सुचारू बनी रहे।

जनगणना 2027 हेतु प्रगणक एवं सुपरवाइजरों का प्रथम सत्र प्रशिक्षण संपन्न, सटीक एवं पारदर्शी गणना पर दिया जोर

सामुदायिक प्रेषण

चूरू । जनगणना-2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) को सुव्यवस्थित, सटीक एवं सफलतापूर्वक संपन्न करने के उद्देश्य से प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले में आयोजित किए जा रहे प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रथम सत्र प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हुए। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनरों द्वारा जिले के 11 प्रमुख केंद्रों पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मकानों की सही नंबरिंग, आवासीय स्थिति का निर्धारण, डेटा संकलन की प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं एवं जनगणना से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की गहन जानकारी दी गई। साथ ही डेटा की गुणवत्ता, त्रुटिरहित प्रविष्टि एवं गोपनीयता बनाए रखने के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। जिला जनगणना अधिकारी व एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण सोमवार, 04 मई से बुधवार, 06 मई तक जिले के 11 प्रमुख केंद्रों पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के सफल आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए गए हैं।

सवाई माधोपुर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

एनर्जी ड्रिंक के नाम पर बिक रही केफ़िनेटेड बेवरेज की पचास हजार कैन जप्त

सामुदायिक प्रेषण

रमेश जांगिड उनियारा/ सवाई माधोपुर । आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला मैडम के निर्देश पर प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सी एम एच ओ सवाई माधोपुर डॉक्टर अनिल कुमार जैमिनी के नेतृत्व में फूड सेफ्टी ऑफिसर वेद प्रकाश पूर्विया व नितेश गौतम की टीम ने शुक्रवार को रीको इंडस्ट्रियल एरिया खेरदा में बड़ी कारवाही को अंजाम दिया है ।

कॉर्डिनेटर प्रियंका ने बताया कि यहां श्री बालाजी ट्रेडिंग के यहां बड़ी मात्रा एनर्जी ड्रिंक की खेप जो कि मार्केट में सप्लाई की जा रही थी के 2 नमूने एनफोर्समेंट में लेकर मोके पर ही सीज किया । जिसकी मात्रा 2100 कार्टनों में लगभग 13000 लीटर एनर्जी ड्रिंक थी । टीम ने रीको खेरदा स्थित पवन पेप्सी एजेंसी से भी 2 नमूने रेडी टू सर्व बेवरेज व कार्बोनेटेड वाटर के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए । प्रियंका के अनुसार लिए गए सभी नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भिजवाया गया है। लैब रिपोर्ट प्राप्त होने पर तदनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा रीको इंडस्ट्रियल एरिया में कई फ्रूट्स गोदामो का भी इंस्पेक्शन कर उनको पकाने में काम लेने वाले केमिकल की जाँच की गई । टीम के अनुसार कही इथाइलीन की जगह कार्बाइड का उपयोग तो नहीं कर रहे है।टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश पूर्विया व नितेश गौतम शामिल रहे

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना: श्रमिकों और कलाकारों के लिए पंजीकरण शुरू, बुढ़ापे में मिलेगी रू3000 मासिक पेंशन

सामुदायिक प्रेषण

दौसा / रामकेश गुर्जर। राज्य के असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों, रेहड़ी-पटरी वालों (पथ विक्रेताओं) और लोक कलाकारों के लिए एक राहत भरी खबर है। राजस्थान सरकार की 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना' के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के उस वर्ग को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है जिनके पास आय का कोई स्थायी या पेंशन युक्त साधन नहीं है।

भविष्य की सुरक्षा और सामाजिक न्याय – राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के सहायक निदेशक, मनोज कुमार दीक्षित ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल का लक्ष्य श्रमिकों और कलाकारों के भविष्य को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। 'इस योजना के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे श्रमिक और लोक कलाकार वृद्धावस्था में किसी पर निर्भर न रहें और उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिले। '

योजना की मुख्य विशेषताएं और पात्रता

आयु सीमा: योजना के लिए 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के पात्र लोग पंजीकरण करा सकते हैं। (नोट: समाचार पत्र की क्लिपिंग में 41-45 वर्ष का उल्लेख है, लेकिन सामान्यत: यह 18-45 वर्ष के लिए होती है, कृपया स्थानीय कार्यालय से पुष्टि करें)।

पेंशन राशि: 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर पात्र लाभार्थियों को 3,000 रुपये प्रति माह की पेंशन दी जाएगी।

भुगतान प्रक्रिया: पेंशन का भुगतान पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन होगा, जो मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन पोर्टल के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में भेजा जाएगा।

कैसे करें आवेदन – इच्छुक व्यक्ति दो माध्यमों से अपना पंजीकरण करवा सकते हैं:

विभागीय कार्यालय: जिला मुख्यालय स्थित 'राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग' कार्यालय में सीधे संपर्क करके।

ई-मित्र केंद्र: जो लोग कार्यालय नहीं पहुंच सकते, वे अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र पर जाकर आसानी से ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं।

आवश्यक दस्तावेज – आवेदन के समय लाभार्थी को निम्नलिखित दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है:

जनाधार कार्ड
स्वयं और पति-पत्नी का व्यक्तिगत विवरण
ई-श्रम कार्ड (यूएएन नंबर)
बैंक पासबुक या रद्द (Cancelled) चेक

अधिक जानकारी के लिए आवेदक अपने नजदीकी विभागीय कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

शादी की खुशियां बदलीं गम में: मिलावटी भोजन से 52 मेहमान बीमार-शादी समारोह में मचा हड़कंप

उपचार के बाद राहत-42 नैनवा व 10 टोंक अस्पताल में हुए भर्ती-स्वस्थ होने पर सभी को छुट्टी,

खाद्य सुरक्षा व चिकित्सा विभाग सक्रिय: सैंपल लिए-प्रभावित घरों में पीने के पानी व खाद्य सामग्री की गहन जांच

सामुदायिक प्रेषण

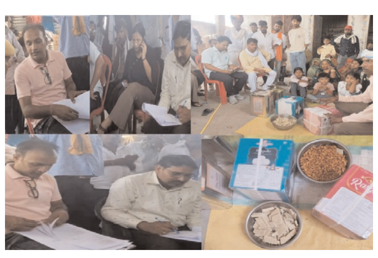

रमेश जांगिड उनियारा/टोंक । उनियारा सर्किल क्षेत्र की ग्राम पंचायत कचरावता में आयोजित एक शादी समारोह उस समय अफरा-तफरी में बदल गया, जब भोजन करने के बाद अचानक बड़ी संख्या में मेहमानों की तबीयत बिगड़ गई। बुधवार 29 अप्रैल को राजेश बैरवा की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल बारातियों और मेहमानों ने जैसे ही खाना खाया, कुछ ही देर में कई लोग उल्टी, दस्त, पेट दर्द और चक्कर की शिकायत से पीड़ित हो गए। बारात दूनी तहसील क्षेत्र के हाड़ौती गांव से आई थी। देखते ही देखते 52 लोग बीमार पड़ गए, जिससे पूरे समारोह में हड़कंप मच गया और खुशियों का माहौल चिंता में बदल गया। स्थिति बिगड़ती देख परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत व्यवस्था संभाली और आनन-फानन में बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 42 लोगों को नैनवा उप जिला चिकित्सालय तथा 10 लोगों को टोंक के जिला सआदत अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पतालों में अचानक मरीजों की संख्या बढ़ने से चिकित्साकर्मियों में भी हलचल रही, लेकिन समय पर उपचार मिलने से सभी मरीजों की हालत में सुधार हुआ और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही तुरन्त चिकित्सा विभाग सक्रिय हो गया।बीसीएमओ उनियारा डॉ. मनीष लोधी के नेतृत्व में गुरूवार शाम को स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में ब्लॉक स्वास्थ्य पर्यवेक्षक रामहंस गुर्जर, नर्सिंग स्टाफ पूरणमल शर्मा, लैब टेक्नीशियन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता मनभर देवी और संजू रेगर सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। टीम ने प्रभावित परिवारों और आसपास के घरों का सर्वे किया तथा संभावित अन्य मरीजों की पहचान कर आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई। साथ ही एहतियात के तौर पर लोगों को साफ-सफाई और सुरक्षित खानपान के प्रति जागरूक भी किया गया। पीएचसी पलाई से डॉ. सुमन मीना भी लगातार क्षेत्र में उपस्थित रहकर निगरानी कर रहे हैं। इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग भी हरकत में आया। जयपुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशरी लाल शर्मा के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और विवाह समारोह में परोसे गए खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। जांच के लिए भेजे गए सैंपलों में मिठाइयां, काजू कतली, गुलाब जामुन, रसगुल्ला के साथ काजू-बादाम एवं अन्य खाद्य सामग्री शामिल है। इसके साथ ही टीम ने प्रभावित परिवारों के घरों में जाकर पीने के पानी, बचे हुए भोजन और अन्य उपयोग में ली गई सामग्री के नमूने भी एकत्रित किए, ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का सटीक पता लगाया जा सके। सभी नमूनों को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि शादी में उपयोग की गई खाद्य सामग्री नैनवां के एक दुकानदार से खरीदी गई थी।हैरानी की बात यह रही कि संबंधित दुकानदार द्वारा किसी प्रकार का बिल या खरीद का प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे संदेह और गहरा गया है। प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

ग्रामीणों में आक्रोश-सख्त निगरानी की मांग

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन समय-समय पर खाद्य पदार्थ बेचने वाले दुकानदारों, ढाबों, होटलों और जूस सेंटरों की नियमित जांच करता रहे, तो इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में खुले में बिक रहे खाद्य पदार्थों, मिठाइयों, खरबूजे-तरबूज और जूस की गुणवत्ता की जांच बेहद जरूरी बताई गई है।

टीम की भनक से बाजार में सन्नाटा

खाद्य सुरक्षा टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही उनियारा कस्बे में कई दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर इधर-उधर होते नजर आए, जिससे क्षेत्र में मिलावटखोरी की आशंका और गहराती दिखी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि सख्त कार्रवाई की जाए, तो मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाया जा सकता है।

फिलहाल पूरे मामले में अब सभी की निगाहें लैब रिपोर्ट पर टिकी हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि भोजन में किस प्रकार की मिलावट या लापरवाही हुई थी और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वगणना का संकल्प : राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का किया आह्वान

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने दिलाई कार्मिकों को जनगणना– 2027 में स्वगणना करने की शपथ, जिले के सभी राजकीय कार्यालयों में हुआ शपथ का आयोजन, कार्मिकों ने लिया सक्रिय भागीदारी का संकल्प

सामुदायिक प्रेषण

चूरू । जनगणना – 2027 के पहल चरण में मकान सूचीकरण व मकानों की गणना के कार्य को लेकर शुक्रवार को स्वगणना चरण का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने स्वगणना चरण का शुभारंभ किया और अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वगणना में अधिकतम भागीदारी की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के समग्र विकास की आधारशिला होती है। यह न केवल जनसंख्या के आंकड़ों का संकलन है, बल्कि भविष्य की नीतियों, योजनाओं एवं संसाधनों के समुचित वितरण का मजबूत आधार भी है। उन्होंने कहा कि स्वगणना प्रक्रिया से नागरिक स्वयं अपने परिवार एवं आवास से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे आंकड़ों की शुद्धता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने स्तर पर आमजन को स्वगणना के महत्व के प्रति जागरूक करें तथा अधिक से अधिक लोगों को इस प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास करें। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

सभी राजकीय कार्यालयों में हुआ शपथ का आयोजन – जिला जनगणना अधिकारी व एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि इस अवसर पर जिले के सभी राजकीय कार्यालयों में एक साथ शपथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर कार्यालय, जिला परिषद, आर्थिक व सांख्यिकी विभाग, आयुर्वेद विभाग, चूरू नगरपरिषद, डिस्कॉम कार्यालय, कृषि महाविद्यालय तारानगर, स्कूलों, शिक्षा विभाग कार्यालय, सूचना केन्द्र सहित समस्त राजकीय कार्यालयों में शपथ कार्यक्रम में जनगणना के स्वगणना चरण को सफल बनाने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया।

ग्राम रथ अभियान: जागरूकता से सशक्तीकरण, गांव-गांव पहुंच रथ दे रहे योजनाओं की जानकारी

सामुदायिक प्रेषण

चूरू । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार कृषकों, पशुपालकों एवं ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम रथ अभियान में आमजन अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। जिले में जिला कलक्टर मजिस्ट्रेट अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले की सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में ग्राम रथ निर्धारित रूट के अनुसार पहुंचकर योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

ग्राम रथ अभियान के माध्यम से ग्राम में सहयोगी 13 विभागों के द्वारा ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़कर मौके पर ही उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। ग्राम रथों के साथ कला-जत्था के कलाकार लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं को सरल, सहज एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में उत्साह एवं सहभागिता निरंतर बढ़ रही है।

इसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम रथ सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के पहाड़सर, गुलपुरा, गोठ्या बड़ी, लसेड़ी व सुरतपुरा, तारानगर विधानसभा क्षेत्र के बनियाला, साहवा, धीरवास बड़ा, धीरवास छोटा व कालवास, सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र के आसपालसर बड़ा, बुकनसरा छोटा, उड़सर लोडेरा, जीवणदेसर व मेहरासर चाचेरा, रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के जेगणिया बिदावतान, जोगलिया व जैतासर, सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोपालपुरा, बोबासर बीदावतान व लोढ़सर, चूरू विधानसभा क्षेत्र के रिबिया, पीथीसर व दूधवामीठा आदि गांवों में पहुंचे और योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई। शुक्रवार को ग्राम रथ अभियान के दौरान कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास के अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रत्येक ग्राम रथ में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से योजनाओं की ऑडियो-वीडियो प्रस्तुतियां प्रदर्शित की जा रही हैं, जिससे जानकारी अधिक प्रभावी एवं आसानी से समझ में आने योग्य बन रही है। साथ ही रथों में स्थापित सुझाव पेटिका के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव एवं अपेक्षाएं संकलित की जा रही हैं, जिससे प्रशासन को जमीनी स्तर पर त्वरित फीडबैक प्राप्त हो रहा है और योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार की दिशा में कार्य किया जा रहा है। ग्राम रथ अभियान को लेकर जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे ग्राम रथ अभियान का अधिकतम लाभ उठाएं तथा योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर पात्रता के अनुसार लाभ लें। इसी के साथ अपने सुझाव देकर शासन-प्रशासन के साथ सक्रिय भागीदारी निभाएं।

राज्य स्तरीय एमओयू हस्ताक्षर समारोह का लाइव प्रसारण: विदेशी भाषाएं सीखने से युवाओं को मिलेंगे नए अवसर

सामुदायिक प्रेषण

दौसा / रामकेश गुर्जर। राजस्थान सरकार द्वारा युवाओं के कौशल विकास की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से आयोजित 'विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम' के तहत जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में एक भव्य एमओयू (MoU) हस्ताक्षर समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दौसा जिला कलेक्ट्रेट स्थित आईटी केंद्र में किया गया, जहाँ जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा के नेतृत्व में अधिकारियों और विद्यार्थियों ने इसे देखा।

प्रमुख संस्थानों के साथ हुआ समझौता

राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार ने दो प्रमुख संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए: इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (EFLU), हैदराबाद नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NSDC)

मिलेगा वैश्विक मंच

इस समझौते के बाद अब प्रदेश के युवा जर्मन, फ्रेंच, कोरियन, जापानी और स्पेनिश जैसी महत्वपूर्ण विदेशी भाषाएं सीख सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन भाषाओं के ज्ञान से युवाओं के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी नौकरी और उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

गणमान्य अतिथियों का संबोधन

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी और कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता राज्य मंत्री केके बिश्नोई ने प्रेरक संबोधन दिए। सभी अतिथियों ने युवाओं को विदेशी भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित किया और इसे जिले में कौशल विकास के क्षेत्र में एक नई संभावना बताया।

दौसा में उत्साह का माहौल

जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित लाइव प्रसारण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर अरविंद शर्मा, पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय पीजी कॉलेज के प्राचार्य लालाराम मीणा और भारत के रमाकांत शर्मा सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी एवं कॉलेज के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने राज्य सरकार की इस पहल को युवाओं के भविष्य के लिए मील का पत्थर बताया।

किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु शुरू हुई सीएम किसान हेल्पलाइन

सामुदायिक प्रेषण

राजेश भावसार सोयतकलां। आगर-मालवा,म.प्र.शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं मार्गदर्शन हेतु 'सीएम किसान हेल्पलाइन 'प्रारंभ की गई है।हेल्पलाइन नंबर 155253 पर जिले के किसान,कॉल कर अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं।विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाएगा तथा कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन एवं परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा।उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास

विजय चौरसिया ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है,कि खेती-बाड़ी, फसल, कृषि तकनीक, योजनाओं अथवा अन्य कृषि संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु किसान हेल्पलाइन का अधिक से अधिक उपयोग करें।उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन के माध्यम से किसानों को केंद्र एवं राज्य शासन की कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी,लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा आधुनिक कृषि तकनीकों संबंधी सलाह भी प्रदान की जाएगी।उन्होंने कहा कि किसानों को फसल प्रबंधन,उन्नत कृषि पद्धतियों एवं कृषि वैज्ञानिकों से विशेषज्ञ सलाह प्राप्त करने के लिए यह सुविधा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।जिले के सभी किसानों से इस सुविधा का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों के लिए खुलेंगे विदेशी भाषाएं सीखने के नए रास्ते

सामुदायिक प्रेषण

टोंक। प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भाषा संचार कौशल कार्यक्रम तथा कौशल विकास अंतरराष्ट्रीय केंद्र की स्थापना को लेकर शुक्रवार को महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर हैदराबाद स्थित अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के कुलगुरु तथा राजस्थान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, जयपुर के आयुक्त ओम प्रकाश बैरवा के मध्य समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के वीडियो कक्ष में देखा गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि इस पहल के अंतर्गत

महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रेंच, इतालवी, कोरियन एवं जर्मन भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे विद्यार्थियों के संचार कौशल में वृद्धि होगी और पर्यटन क्षेत्र सहित विदेशों में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बहुभाषी दक्षता से युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है, व्यक्तित्व में निखार आता है और वैश्विक स्तर पर संवाद करने की क्षमता विकसित होती है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी व्यापक होते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं से संवाद कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दिया। ऑनलाइन माध्यम से संवाद के लिए महाविद्यालय की कैडेट तनीशा कुमावत का चयन किया गया, जो संस्थान के लिए गौरव का विषय रहा। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर टोंक रातरतन सौंकरिया, प्राचार्य प्रो. लोकेश कुमार शर्मा, महाविद्यालय के संकाय सदस्य, एनसीसी कैडेट्स एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने सहभागिता निभाई। महाविद्यालय प्राचार्य ने उपस्थित कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है और उन्हें वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक होगी।

नवलगढ़ सरकारी अस्पताल से महंगे एल्ब्यूमिन इंजेक्शन चोरी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

नवलगढ़/झुंझुनूं। सरकारी जिला अस्पताल से महंगे एल्ब्यूमिन इंजेक्शन चोरी के मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपेन्द्र सैनी को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी महावीर सिंह की निगरानी में थाना नवलगढ़ पुलिस दल ने यह कार्रवाई की। थानाधिकारी अजय सिंह के नेतृत्व में दल ने मानवीय सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को पकड़ा।

घटना 2 अप्रैल 2026 की है, जब अस्पताल के पुरुष वार्ड में ड्यूटी पर मौजूद नर्सिंग कर्मचारी को दवाइयों की आलमारी में रखे इंजेक्शन कम मिले। जांच के दौरान एक संदिग्ध युवती के थैले से 8 इंजेक्शन बरामद किए गए थे। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने जांच समिति गठित की, जिसमें सामने आया कि कुल 323 एल्ब्यूमिन इंजेक्शन गायब हैं। पुलिस ने 30 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपेन्द्र सैनी (25) निवासी सीकर, हाल निवासी झोटवाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया। वह एक निजी अस्पताल में डायलिसिस कर्मी के रूप में कार्यरत था। इससे पहले मामले में दीपाली कुमावत, देवेन्द्र सिंह और विकास को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। कार्रवाई में थानाधिकारी अजय सिंह सहित संतोष, बाबूलाल, मुकेश और नरेन्द्र सहित अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

15 मई तक जिलों में बैठक लेंगे प्रभारी, संगठन मजबूत करने पर रहेगा जोर

सामुदायिक प्रेषण

टोंक। ओबीसी कांग्रेस के जिला प्रभारी एवं सह-प्रभारी आगामी 15 मई तक अपने-अपने जिलों में जाकर जिला स्तरीय बैठकें आयोजित करेंगे। इस संबंध में प्रदेश स्तर से निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. नरेन्द्र मेहरा ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद के निर्देशानुसार प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव ने सभी जिला प्रभारियों को निर्धारित समय सीमा में बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश संगठन महासचिव सागर मावर ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा चलाए जा रहे 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान को मजबूती देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत जिला प्रभारी एवं सह-प्रभारी अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे।

बैठकों में संगठन को मजबूत करने, जिला कार्यकारिणी एवं ब्लॉक स्तर पर अध्यक्षों और कार्यकारिणी के गठन पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही इन बैठकों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर 15 मई तक ओबीसी कांग्रेस मुख्यालय जयपुर भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा बैठक के दौरान आमजन को विभिन्न मुद्दों पर जागरूक करने और विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रांतियों का तथ्यात्मक जवाब देने पर भी चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत कार्यो को 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश

हरियालो राजस्थान के अंतर्गत दिए लक्ष्यो के अनुसार पौधारोपण की तैयारी करने के निर्देश

सामुदायिक प्रेषण

जयपुर। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 व जल संचय जन भागीदारी 2.0 की समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 अंतर्गत लिए गए

सभी कार्यो को 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियो को दिए हैं। उन्होंने जल संचय जन भागीदारी में नगरीय निकाय, जेडीए सहित सभी लाइन विभागों को निर्देशित किया कि जल संचय के समस्त कार्यो को पोर्टल पर अपलोड कराया जाना सूचित करें। जिला कलेक्टर ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत सभी विभागों को दिए गए पौधारोपण के लक्ष्यो को अर्जित करने हेतु पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियो को पूर्ण करने के निर्देश कृषि, उद्यान, वन, नगर निगम, जेडीए सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को दिए हैं। इस दौरान जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा उपवन संरक्षक वी केतन कुमार, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहारिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लोक कलाकारों और डिजिटल माध्यम से योजनाओं की जानकारी, ग्राम रथ अभियान में उमड़ा जनसैलाब

सामुदायिक प्रेषण

टोंक। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण अंचलों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान के तहत शुक्रवार को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्साहपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्रामीणों ने योजनाओं की जानकारी लेकर प्रसन्नता व्यक्त की और उनका लाभ भी उठाया। अभियान के तहत निवाई, टोडारायसिंह, उनियारा एवं टोंक उपखंड की कई ग्राम पंचायतों में एलईडी वैन के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। ग्राम रथ के गांवों में पहुंचते ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और कार्यक्रम स्थलों पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की प्रमुख योजनाओं का डिजिटल माध्यम से जीवंत प्रसारण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश भी ग्रामीणों तक पहुंचाया गया, जिसमें उन्होंने आमजन से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

स्थानीय लोक कलाकारों ने गीत, भजन और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी रोचक तरीके से प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों ने जहां ग्रामीणों का मनोरंजन किया, वहीं योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया। मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शिका एवं प्रचार सामग्री वितरित कर जागरूक किया। साथ ही ग्राम रथ के साथ सुझाव पेटिका भी रखी गई, जिसमें ग्रामीणों ने अपने सुझाव और प्रतिक्रियाएं दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाकर उसे लाभ से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की सहभागिता से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। प्रत्येक ग्राम रथ में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से योजनाओं की ध्वनि एवं दृश्य प्रस्तुति की व्यवस्था की गई है, जिससे ग्रामीणों को आसानी से जानकारी मिल सके।

राजपूत समाज का पंचम विवाह सम्मेलन संपन्न,18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

सामुदायिक प्रेषण

रमेश जांगिड उनियारा,टोंक । श्री राजपूत समाज जागृति सेवा संस्थान उनियारा के तत्वाधान में पीपल पूर्णिमा पर उपखण्ड अधिकारी के कार्यालय के पीछे एक गार्डन में राजपूत समाज का पंचम विवाह सम्मेलन में 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। राजपूत समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन में सामुहिक रूप से गणेश स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके बाद बैण्ड बाजा के साथ दुल्हे की घोड़ियों पर निकासी निकाली गई। उसके बाद सामुहिक रूप से तोरण व वर माला के कार्यकम की रस्म अदायगी की। दोपहर अभिजीत मुहूर्त में सम्मेलन के आचार्य पंडित भवानी शंकर दाधीच के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडितों ने विवाह संस्कार सम्पन्न करवाया गया। समिति की ओर

से जोड़ों को उपहार भेट के गए। सामूहिक विवाह सम्मेलन में दुल्हे के लिए अवधपुरी और दुल्हन के लिए जनकपुरी मैं ठहरने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति की ओर से आगंतुक मेहमानों के लिए शीतल पेयजल, बेहतरीन भोजन व्यवस्था सहित उत्तम व्यवस्थाएं की गई थी। सम्मेलन को सफलतम बनाने के लिए कार्यकर्ता लगातार व्यवस्थाओं में लग रहे। इस दौरान कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, अलवर, जयपुर, भीलवाड़ा, अजमेर सहित अन्य जिलों से आए 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंध गए। श्री राजपूत समाज जागृति सेवा संस्थान उनियारा द्वारा वहीं आशीर्वाद समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख उद्योगपति अक्षय सिंह हाडा बूंदी, राजपूत सर्वोत्तम संस्थान के महेंद्र सिंह जाखली, भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, नंदू सिंह, नाथू सिंह, राजेश कुमार सिंह, नव नियुक्त आरएएस प्रदीप सिंह जादौन, प्रिंसिपल रतन कंवर, राघवेंद्र सिंह नरूका, लोकेन्द्रसिंह राणावत थे तथा कार्यकम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष शिवराज सिंह नरूका तथा संयोजक भीम सिंह गोड़ थे।

बोरवेल से केबल चोरी, ट्यूबवेल को भी किया क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में रोष

सामुदायिक प्रेषण

सवाई माधोपुर। जिले के रवाजना डूंगर थाना क्षेत्र में ट्यूबवेल केबल चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। चोर खेत-खलिहानों में लगे ट्यूबवेलों को निशाना बना रहे हैं, जिससे किसानों में भय और रोष का माहौल है।

ताजा मामला रवाजना चौड़ गांव का है, जहां बीती रात चोरों ने एक खेत में लगे ट्यूबवेल की बिजली की केबल चोरी कर ली। पीड़ित ग्रामीण विनोद शर्मा ने बताया कि चोरों ने रात के अंधेरे में पहले केबल काटी और उसे निकालकर अपने साथ ले गए। इसके बाद चोरों ने ट्यूबवेल की पानी की मोटर को कुएं में फेंक दिया और ऊपर से पत्थर डाल दिए, जिससे ट्यूबवेल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सुबह खेत पर पहुंचने पर चोरी का पता चला, जहां कटे हुए तार और अन्य सामान बिखरा मिला। गौरतलब है कि करीब 15 दिन पहले भी क्षेत्र में दो ट्यूबवेलों से केबल चोरी की घटनाएं सामने आई थीं, लेकिन अब तक पुलिस किसी भी आरोपी को पकड़ नहीं सकी है। क्षेत्र में अब तक दर्जनों ऐसी वारदातें हो चुकी हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें पुलिस का कोई डर नहीं है। एक ट्यूबवेल से केबल चोरी होने पर जहां चोरों को 10 से 15 हजार रुपये का फायदा होता है, वहीं किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। केबल चोरी के साथ मोटर खराब होने और ट्यूबवेल में

पत्थर भरने से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हो जाता है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से चोरों को शीघ्र गिरफ्तार करने और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

रामपुरा में पेयजल संकट का समाधानः जनसेवक किशोर दुल्हेपुरा के नेतृत्व में ग्रामीणों का टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन

सामुदायिक प्रेषण

खण्डेला (सीकर)। खण्डेला विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा ग्राम पंचायत में पिछले एक माह से जारी भीषण पेयजल संकट का आखिरकार अंत हो गया। जल जीवन मिशन के तहत नवनिर्मित पानी की टंकी से सप्लाई ठप होने के कारण ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त था। इस समस्या का समाधान तब हुआ जब युवा नेता और जनसेवक किशोर दुल्हेपुरा ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और जलदाय विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर तुरंत समाधान सुनिश्चित करवाया।

भीषण गर्मी में महिलाओं का फूटा आक्रोश – रामपुरा ग्राम पंचायत में पिछले एक महीने से जल जीवन मिशन की टंकी शोपीस बनी हुई थी। पेयजल सप्लाई बंद होने से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को दूर-दराज के कुओं और महंगे टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा था। समस्या की गंभीरता को देखते हुए किशोर दुल्हेपुरा ग्रामीणों के बीच पहुंचे। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन ने बड़ा रूप ले लिया। बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में खाली मटके लेकर विरोध जताने पहुंचीं। आक्रोशित ग्रामीणों और महिलाओं के साथ किशोर दुल्हेपुरा खुद पानी की टंकी पर चढ़ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

'सोने की चम्मच लेकर पैदा होने वाले नहीं समझेंगे जनता का दर्द ' – आंदोलन के दौरान जनसेवक किशोर दुल्हेपुरा ने प्रशासन और विरोधियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहाः 'जो लोग सोने की चम्मच लेकर पैदा हुए हैं, वे गरीब और ग्रामीण जनता का दर्द कभी नहीं समझ सकते। पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए अगर जनता को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, तो यह सिस्टम की नाकामी है। मैं एक जनसेवक के नाते हमेशा जनता की आवाज उठाता रहूंगा और उनके हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। '

अधिकारियों को मौके पर बुलाया, तुरंत शुरू हुई सप्लाई – प्रदर्शन की उग्रता और मामले की गंभीरता को देखते हुए जलदाय विभाग के उच्चाधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। दुल्हेपुरा ने अधिकारियों को स्थिति की जमीनी हकीकत से अवगत कराया और स्पष्ट निर्देश दिए कि जब तक पानी की सप्लाई सुचारू नहीं होती, विरोध कम नहीं होगा। अधिकारियों ने तकनीकी खामियों को तुरंत दूर करने के लिए टीम लगाई और बंद पड़ी सप्लाई को तत्काल प्रभाव से बहाल कर दिया। जैसे ही नलों में पानी आया, ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने राहत की सांस ली।

ग्रामीणों ने की त्वरित हस्तक्षेप की सराहना – स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि किशोर दुल्हेपुरा समय पर हस्तक्षेप नहीं करते, तो यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती थी। ग्रामीणों ने उनके जुझारू नेतृत्व की सराहना करते हुए मांग की है कि भविष्य में पेयजल आपूर्ति की नियमितता सुनिश्चित की जाए ताकि दोबारा ऐसी नौबत न आए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक ओमप्रकाश जांगिड़ के लिए स्काईटेक प्रिंटर से मुद्रित एवं प्लॉट नंबर 244 श्याम नगर विस्तार सांगानेर से प्रकाशित फोन नंबर 9784657775 सहायक संपादक, धर्म सिंह गुर्जर, सहयोगी संपादक मुकेश कुमार टेलर पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार ईमेल samudayaknews@gamil.com संपादकीय कार्यालय 105, डीपी कार्प ओके प्लस बिल्डिंग, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है।

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।

आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है।

बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इजराइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है।

उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि। साथ ही उन्होंने सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नैतिक जीवन पर बल दिया।बुद्ध ने यह भी कहा कि घृणा को घृणा से नहीं जीता जा सकता, उसे केवल प्रेम से जीता जा सकता है। वास्तव में, क्रोध में हजारों शब्दों को गलत बोलने से अच्छा मौन वह एक शब्द है जो शांति लाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।

अंततः बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शांति, करुणा, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाला पावन दिन है। यह हमें गौतम बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर संयम, सत्य, सद्भाव और विश्व शांति के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के तनावपूर्ण वैश्विक समय में यह पर्व मानवता को एकता, प्रेम और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

संपादकीय

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेर्शों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिदेर्शों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निदेर्शों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है।

जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।

बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरूआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।

कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरूआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनियाः मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

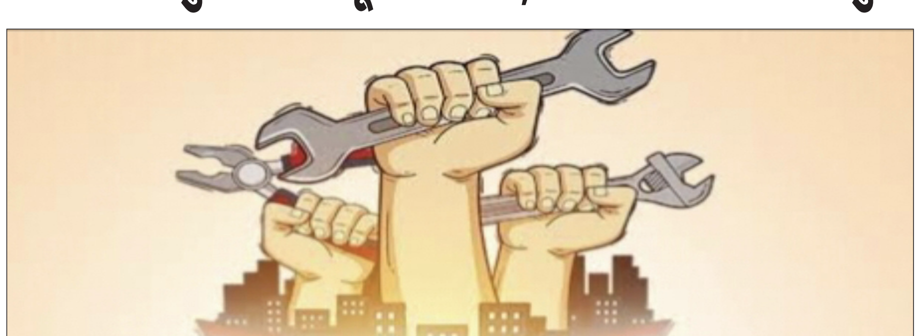

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें—हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।

आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।

ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

डीजे का शोर नहीं सह पाईं मुर्गियां, 140 की जान गई, पोल्ट्री फार्म संचालक ने डीजे कराई एफआईआर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के जश्न में बज रहे तेज डीजे की आवाज बेजुबान पक्षियों के लिए काल बन गई। बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में एक पोल्ट्री फार्म के पास से गुजर रही बारात के डीजे की कानफोड़ू आवाज के कारण कथित तौर पर 140 मुर्गियों की दहशत से मौत हो गई। इस अनोखी घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना 25 अप्रैल की रात की है। गांव के निवासी बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी, जिसकी बारात कुड़वार के पूरे राम भद्र पुरवा से आई थी। बारात जब पूरे गाजे-बाजे और डीजे के साथ गांव की गलियों से गुजर रही थी, तभी रास्ते में साबिर अली का पोल्ट्री फार्म पड़ा। साबिर का आरोप है कि रात करीब 9:30 बजे जब डीजे उनके फार्म के सामने पहुंचा, तो उसकी ध्वनि सीमा इतनी अधिक थी कि मुर्गियों के दबड़े में अचानक अफरा-तफरी मच गई। तेज धमक और शोर के कारण मुर्गियां दहशत में आ गईं और देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया। पीड़ित साबिर अली ने बताया कि उन्होंने डीजे ऑपरेटर से आवाज कम करने का अनुरोध भी किया था, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। मुर्गियों की मौत के बाद हुए आर्थिक नुकसान से आहत साबिर ने बल्दीराय थाने में न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और पशु क्रूरता के पहलुओं को देखते हुए परसीपुर निवासी डीजे संचालक कवि यादव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक एमडी ताहुर खान यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या डीजे निर्धारित डेसिबल मानकों का उल्लंघन कर रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज ध्वनि तरंगें और भारी बेस छोटे पक्षियों के दिल की धड़कन को अनियंत्रित कर देते हैं, जिससे उन्हें कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) पड़ने का खतरा रहता है। इस घटना ने एक बार फिर शादियों और अन्य समारोहों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, गांव में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

बीजेपी नेता अग्रवाल ने की पायलट पर अपमानजनक टिप्पणी, कांग्रेस ने फूंका पुतला

बहरोड़ (एजेंसी)। राजस्थान में बीजेपी प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट के खिलाफ की गई अपमानजनक और अनर्गल टिप्पणी ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस बयान के विरोध में बहरोड़ के कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और बीजेपी प्रभारी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध जताया। पीसीसी महासचिव डॉ. आरसी यादव के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस ने बीजेपी को सीधी चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. यादव ने साफ कहा कि बीजेपी का यह कृत्य बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और राधा मोहन अग्रवाल को अपने शब्द वापस लेते हुए सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि माफी नहीं मांगी गई, तो आगामी चुनावों में राजस्थान की जनता बीजेपी को ऐसा सबक सिखाएगी कि उन्हें कहीं मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। पायलट को बाहरी बताने के तर्क पर डॉ. यादव ने तीखा हमला करते हुए बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि सचिन पायलट को बाहरी बताने वाली बीजेपी बताए कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी बनारस में पैदा हुए थे? डॉ. यादव ने कहा कि बनारस से प्रधानमंत्री का क्या रिश्ता है, फिर भी वे वहां से सांसद हैं। उन्होंने बीजेपी को नसीहत दी कि वे अपने गिरेबान में झांककर देखें।

उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में मुठभेड़, तीन दुर्दांत बदमाश ढेर, पुलिस चला रही रही ऑपरेशन प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार आधी रात से लेकर गुरुवार सुबह तक उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड की पुलिस अपराधियों के लिए काल बनकर टूटी। अलग-अलग राज्यों में हुई जबरदस्त मुठभेड़ों में तीन इनामी और दुर्दांत अपराधियों को ढेर कर दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मुठभेड़ का सिलसिला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू हुआ। यहां पुलिस ने जिम में हुए ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी और 50 हजार के इनामी बदमाश जीतू सैनी को मार गिराया। खुर्जा नगर क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ के दौरान जीतू सैनी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें स्वाट टीम प्रभारी और एक हेड कांस्टेबल घायल हो गए। हालांकि, बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से खुर्जा कोतवाल और एक अन्य पुलिसकर्मी की जान बच गई। पुलिस के मुताबिक, जीतू ने पिछले दिनों एक जिम में घुसकर तीन लोगों की हत्या की थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से पांच पहले ही पकड़े जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में भी गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी। सीवान जिले में भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी छोटू कुमार यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर दबोच लिया। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुई इस कार्रवाई में आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि बुधवार शाम गाड़ी सटने के मामूली विवाद में हर्ष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पुलिस ने साहस का परिचय दिया। प्रेमनगर इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर से दो लाख रुपये और मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने घेरा, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश मारा गया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो फरार हो गए। इस मुठभेड़ में प्रेमनगर इंस्पेक्टर नरेश राठौर के हाथ में दो गोलियां लगी हैं। फिलहाल पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में सघन कॉम्बिंग अभियान चला रही है। तीनों राज्यों में हुई इन कार्रवाइयों ने साफ कर दिया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

भक्ति और देशभक्ति का संगमः समर्थपुरा में भव्य कलश यात्रा के साथ धार्मिक अनुष्ठान का आगाज

सामुदायिक प्रेषण

समर्थपुरा (सीकर): । ग्राम समर्थपुरा की पावन धरा पर शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और देशभक्ति का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। अवसर था कुलदेवी जमवाय माताजी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और अमर शहीद विजेन्द्र सिंह शेखावत की प्रतिमा अनावरण समारोह के आयोजन के प्रथम दिन, 01 मई 2026 को आयोजित भव्य कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को धर्ममय कर दिया।

केसरिया साफे और मंगल कलश से सजी राहें – सुबह की पहली किरण के साथ ही गांव के मुख्य मंदिरों में पूजा-अर्चना शुरू हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और युवतियां पारंपरिक परिधानों में सिर पर मंगल कलश धारण कर सम्मिलित हुईं। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-झूमते श्रद्धालुओं ने वातावरण में नई ऊर्जा भर दी। जय जमवाय माता और भारत माता के जयकारों से पूरा आकाश गुंजायमान हो उठा।

संत सानिध्य और गणमान्य अतिथियों की रहेगी उपस्थिति – इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख राजनीतिक चेहरों और समाजसेवियों ने भी शिरकत की। कलश यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने ड्रोन से पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया, जो गांव के विभिन्न मार्गों से होती हुई कार्यक्रम स्थल तक पहुँची। कार्यक्रम में आध्यात्मिक ऊर्जा भरने के लिए अग्र पीठाधीश्वर

राजेन्द्र दास जी महाराज (रेवासा धाम) और साध्वी डॉ. योगश्री नाथ जी के पावन सानिध्य में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

शहादत को नमन और आस्था का सम्मान – यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का भी प्रतीक है। जहाँ एक ओर जमवाय माता की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है, वहीं दूसरी ओर देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीद विजेन्द्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण किया जाना है। शहीद परिवार और समस्त ग्रामवासियों द्वारा आयोजित इस त्रि-दिवसीय कार्यक्रम ने सामाजिक एकजुटता की एक मिसाल पेश की है।

आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा – आयोजन समिति के अनुसार, कलश यात्रा के बाद अब कार्यक्रमों का सिलसिला निम्न प्रकार रहेगाः

02 मई (शनिवार): प्रातः 9:15 बजे से हवन पूजन का आयोजन।

03 मई (रविवार): प्रातः 8:15 बजे पीपलांदा का बास से शहीद स्मारक तक भव्य तिरंगा यात्रा।

प्राण प्रतिष्ठा एवं अनावरणः 03 मई को प्रातः 10:15 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और पूर्णाहुति होगी, जिसके पश्चात दोपहर 12:15 बजे महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए राजस्थान सरकार की उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी जी, कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा, और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया सहित कई दिग्गज हस्तियों के पहुँचने की संभावना है। शहीद विजेन्द्र सिंह शेखावत परिवार और समर्थपुरा के ग्रामीणों ने सभी भक्तों और राष्ट्रप्रेमियों से इस आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से नियमों के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँच गया है, जिसमें से 11 व्यक्ति पंजाब के विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। इन सभी यात्रियों के दिल्ली पहुँचते ही सुरक्षा एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों ने करीब पाँच घंटे तक गहन पूछताछ की, ताकि डिपोर्ट किए जाने के वास्तविक कारणों और उनकी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा जुटा सके। पंजाब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेकर अपने प्रतिनिधियों और विशेष वाहनों का दल दिल्ली भेजा है, ताकि इन लोगों को सुरक्षित उनके गृह जिलों तक पहुँचाया जा सके। इसके लिए एक टेंपो ट्रैवलर और अन्य गाड़ियों का प्रबंध हवाई अड्डे पर ही किया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डिपोर्ट किए लोग जालंधर, होशियारपुर, खन्ना, मोगा, नवांशहर, गढ़शंकर, तरनतारन, फिरोजपुर और रूपनगर जैसे इलाकों के निवासी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवास के दौरान वहां के स्थानीय नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने उन्हें वापस भारत भेजने का कठोर निर्णय लिया। वापस लौटे व्यक्तियों में जसवंत सिंह, अंग्रेज सिंह, सतिंदरजीत सिंह शेरगिल, गुरप्रीत सिंह संधू, जगजीत सिंह, जसप्रत सिंह, निर्मल सिंह, श्रुति शर्मा, रणजी सिंह, हरप्रीत सिंह और गगनदीप सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 41 वर्ष के बीच है। यह घटनाक्रम पिछले साल अमेरिका द्वारा 104 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किए जाने की याद दिलाता है, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना के विमान से अमृतसर लाया गया था। अवैध इमिग्रेशन और विदेशी कानूनों की अनदेखी के कारण पंजाब के युवाओं का इस तरह डिपोर्ट होना एक चिंताजनक विषय बन गया है। फिलहाल, दिल्ली में औपचारिक कागजी कार्रवाई और वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन सभी को पंजाब पुलिस और सरकारी टीम की निगरानी में उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है। राज्य सरकार अब इन मामलों के मूल कारणों की जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोका जा सके।

केजरीवाल के बाद अब पाठक ने किया जस्टिस शर्मा के सामने पेश होने से इनकार

–पत्र में लिखा– वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की जताई चिंताओं से सहमत

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में आबकारी 'घोटाला' मामले की सुनवाई में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। पाठक ने जस्टिस शर्मा को एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की ओर से जताई गई चिंताओं से सहमत हैं। केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह आबकारी मामले की सुनवाई में व्यक्तिगत स्तर पर या किसी वकील के जरिए हिस्सा नहीं लेंगे। पाठक, सिसोदिया और केजरीवाल सीबीआई की ओर से दायर उस पुनर्विचार याचिका में पक्षकार हैं, जिसमें आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाठक ने पत्र में कहा कि यह पत्र उस पुनर्विचार याचिका के सिलसिले में है, जो वर्तमान में इस कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। पाठक ने लिखा कि उन्होंने केजरीवाल के 27 अप्रैल के पत्र को पढ़ने के बाद यह फैसला लिया, जिसमें सुनवाई में निष्पक्षता और पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के मद्देनजर उन्होंने भी वर्तमान सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के जरिए हिस्सा न लेने का संकल्प लिया है। इस मामले में मेरी ओर से पेश वकालतनामा, यदि कोई हो तो, उसे विधिवत रूप से वापस लिया हुआ माना जाए।

पाठक ने कहा कि उनके पत्र कोर्ट के प्रति अनादर के संकेत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने संविधान और न्यायपालिका में अपनी आस्था दोहराई। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर भारत के संविधान और इस देश की न्यायपालिका की संस्थागत अखंडता में अपनी अटूट आस्था रखता हूं। उन्होंने अनुरोध किया कि पत्र को रिकॉर्ड में लिया जाए और कोर्ट की ओर से उचित एवं न्यायसंगत समझे जाने वाले तरीके से सुनवाई की जाए।

इस बीच दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सवाल उठाया कि केजरीवाल के चिंता जताने के बाद जस्टिस शर्मा ने खुद को आबकारी मामले की सुनवाई से अलग क्यों नहीं कर लिया। आतिशी ने दावा किया कि जस्टिस शर्मा ने हाल में अन्य मामलों में ऐसा किया था। उन्होंने पूछा कि मौजूदा मामले में ऐसा क्या अलग है कि सुनवाई से अलग होने पर विचार नहीं किया गया।

महिला आरक्षण का विरोध कर कांग्रेस और सपा ने महिला-विरोधी अपनी मानसिकता को उजागर किया

–ईवीएम में पार्टी सिंबल के सामने की बटन को टेप से ब्लॉक करने का है आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला कर उन्हें महिला-विरोधी बताया। मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि संसद में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन बिल का विरोध करके विपक्षी दलों ने अपनी असल मानसिकता देश के सामने ला दी है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र की शुरुआत से पहले सीएम योगी ने विपक्षी इंडी गठबंधन पर देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप भी लगाया।

विशेष सत्र शुरू होने से पहले यूपी विधानमंडल के बाहर एक प्रेस ब्रीफिंग में सीएम योगी ने कहा कि इंडिया गठबंधन महिला आरक्षण बिल का विरोध करके भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान महिलाएं पूरी तरह से असुरक्षित थीं। उन्होंने कहा कि यह विशेष सत्र विपक्ष द्वारा संसद में महिला आरक्षण

बिल का समर्थन न करने के कदम पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

सीएम योगी ने कहा, हर व्यक्ति सपा के खिलाफ लगे नारों से वाकिफ है... समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिला-विरोधी हैं, यह बात हर कोई जानता है। उन्होंने कहा, उनके पास महिला आरक्षण बिल का समर्थन करके अपनी छवि सुधारने का अच्छा मौका था, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने महिला आरक्षण का विरोध सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी सरकार द्वारा की गई पहलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सशक्त बनाने की उनकी पहलों के लिए पीएम मोदी को भी धन्यवाद दे रहे है। उनके नेतृत्व में, बीजेपी और एनडीए ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

बात दें कि गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसका मुख्य विषय महिला आरक्षण है। वहीं समाजवादी पार्टी ने सत्र को लेकर बीजेपी की आलोचना कर कहा है कि भगवा पार्टी संसद में पारित न हो सके संवैधानिक संशोधन बिल को लेकर सदन में एक असंवैधानिक निंदा प्रस्ताव पेश करना चाहती है। पार्टी ने कहा कि बीजेपी लोगों को, और विशेष रूप से महिलाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। हम उस प्रस्ताव की कड़ी निंदा करते हैं जिसे वे लाना चाहते हैं।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी : अगले 6 दिन बारिश के आसार

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और इसके आसपास के क्षेत्रों में 30 अप्रैल को हुई भीषण ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है, जिससे कुफरी और ठियोग जैसे इलाकों में जमीन पर ओलों की तीन इंच मोटी सफेद चादर बिछ गई है। गुरुवार को दोपहर के समय अचानक हुए मौसमी बदलाव के कारण राजधानी में दिन में ही अंधेरा छा गया और सड़कों पर भारी फिसलन होने से यातायात बाधित हुआ। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे दर्दनाक पहलू कृषि क्षेत्र पर पड़ा है, जहाँ सेब के बागानों के साथ-साथ मटर और फूलगोभी की नकदी फसलें पूरी तरह तबाह हुई हैं, जिससे बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखकर शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए तत्काल तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जैसे क्षेत्रों को भी येलो अलर्ट पर रखा गया है। आगामी छह दिनों तक राज्य में मौसम के इसी तरह खराब रहने के आसार हैं, जिसमें 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाएं और रुक-रुक कर होने वाली बारिश शामिल है। विशेष रूप से 3 और 4 मई को पूरे प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

केजरीवाल के शीशमहल-2 की तस्वीरें आई सामने, भाजपा के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हाल ही में अपने नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए हैं। उनके इस नए पते को लेकर राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के इस नए बंगले को शीशमहल-2 करार देते हुए इसकी साज-सज्जा पर भारी खर्च के आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने केजरीवाल के साथ उनके आवास के भीतर की एक नई तस्वीर साझा कर इन दावों पर पलटवार किया है।

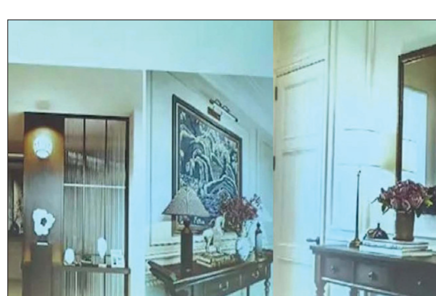

सोमनाथ भारती द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई इस तस्वीर में केजरीवाल एक बेहद सामान्य कमरे में बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों नेता एक सोफे के पास खड़े हैं और सामने एक छोटी स्टूल पर डायरी व पेन रखा हुआ है। भारती ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि वह अपने नेता की इस बात के प्रशंसक हैं कि वे हर विचार को तुरंत नोट करते हैं और उस पर काम शुरू कर देते हैं। उन्होंने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि केजरीवाल को आवंटित होने वाला हर नया घर प्रधानमंत्री आवास के और करीब होता जा रहा है, जो भविष्य के राजनीतिक संकेतों की ओर इशारा करता है। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता ने भाजपा द्वारा दिखाई गई तस्वीरों को इंटरनेट से डाउनलोड की गई फर्जी तस्वीरें बताया है। आप ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। सोमनाथ भारती द्वारा साझा की गई नई तस्वीर को पार्टी ने यह दिखाने के प्रयास के तौर पर पेश किया है कि केजरीवाल का जीवन और आवास साधारण है। फिलहाल, इस नए आवास को लेकर दिल्ली की राजनीति में जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल अब 95, लोधी एस्टेट स्थित टाइप-7 सरकारी बंगले में रह रहे हैं, जो उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किया गया है। भाजपा ने इस बंगले की विलासिता को लेकर हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि इस घर में सुविधाओं के लिए निजी धन खर्च किया गया है और इसकी साज-सज्जा किसी आम आदमी की नहीं बल्कि उच्चवर्गीय व्यक्ति की पसंद है। उन्होंने कुछ फर्नीचर की तस्वीरें साझा कर इसे शीशमहल के पुराने विवाद से जोड़ने की कोशिश की।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में लागू होगा सख्त ड्रेस कोड

जींस-पैंट पहनकर महिलाओं के प्रवेश पर लग सकती है रोक

पुरी (एजेंसी)। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर अब ओडिशा के विश्वप्रसिद्ध 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए औपचारिक पोशाक नियम (ड्रेस कोड) लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ओडिशा राज्य विधि आयोग ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि मंदिर की पवित्रता और हिंदू सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए एक विशिष्ट ड्रेस कोड को कानूनी रूप दिया जाए। इस सिफारिश में विशेष रूप से महिलाओं के जींस, पैंट या शर्ट पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता वाली विधि समिति ने सुझाव दिया है कि श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम में संशोधन कर पोशाक संहिता की स्पष्ट परिभाषा जोड़ी जानी चाहिए। आयोग के अनुसार, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं का पहनावा हिंदू संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। प्रस्तावित नियमों के तहत, पुरुष

तीर्थयात्रियों के लिए धोती-कुर्ता, पैंट-कमीज, चूड़ीदार-पजामा या कंधे पर गमछा रखना निर्धारित किया गया है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए साड़ी-ब्लाउज या सलवार-कमीज अनिवार्य करने का सुझाव है। 10 वर्ष से कम आयु की लड़कियां फ्रॉक या गाउन पहन सकेंगी, लेकिन महिलाओं के लिए पश्चिमी परिधानों जैसे जींस और शर्ट पर पूरी तरह रोक की सिफारिश की गई है।

हालांकि, मंदिर प्रशासन ने 1 जनवरी 2024 से ही हाफ पैंट, फटी जींस और बिना आस्तीन के कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन कानूनी प्रावधानों की कमी के कारण इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। शोधकर्ताओं का मानना है कि अधिनियम में संशोधन होने से मंदिर की मर्यादा और आध्यात्मिक वातावरण को बल मिलेगा। पूर्व मंदिर प्रशासक प्रदीप दास के अनुसार, शालीन वस्त्र केवल दिखावा नहीं, बल्कि भक्त के भीतर विनम्रता और शांति का भाव जागृत करते हैं, जिससे वे आध्यात्मिक रूप से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। दूसरी ओर, कुछ विद्वानों का मत है कि इस नियम को बदलते सामाजिक परिवेश और विदेशी पर्यटकों की जरूरतों को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी को रोकना नहीं, बल्कि मंदिर की गरिमा बनाए रखना है। वर्तमान में राज्य का विधि विभाग इन सिफारिशों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो पुरी आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ा बदलाव होगा।

विजय क्या केजरीवाल जैसी सफलता हासिल करेंगे या प्रशांत की तरह होगा हश्र?

तमिलनाडु विधानसभा के एग्जिट पोल के नतीजों ने छेड़ दी राजनैतिक बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। इन अनुमानों ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को लेकर सबसे दिलचस्प सवाल खड़ा हो गया है कि क्या विजय थलपति दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जैसी बड़ी सफलता हासिल करने वाले हैं या फिर उनका हश्र प्रशांत किशोर के बिहार प्रयोग जैसा होगा। इसका जवाब, कम से कम आज के लिए इस बात पर निर्भर करता है कि कोई किस एग्जिट पोल पर भरोसा कर रहा है। ज्यादातर अनुमान टीवीके को 10-24 सीटें मिलने का लगा रहे हैं, जो कि एक शानदार शुरुआत है।

ज्यादातर एक्जिट पोलों के मुताबिक विजय की पार्टी मुख्य दावेदार होने के बजाय खेल बिगाड़ने की भूमिका में हो सकती है। कुछ पोलों ने टीवीके के लिए 10-12 सीटों का अनुमान लगाया है, जबकि पीपुल्स प्लस इसे 18-24 सीटों के साथ ज्यादा मजबूत स्थिति में बता रहा है। एग्जिट पोल्स के नतीजे बता रहे हैं कि शहरी और युवा वोटरों के बीच विजय की पार्टी की अच्छी पकड़ है। इस स्थिति में विजय की पार्टी मौजूदा सरकार के खिलाफ पड़ने वाले वोटों को बांट सकती है, जिससे परोक्ष रूप से डीएमके को फायदा हो सकता है, लेकिन एक ऐसा अनुमान भी सामने आया जो सबसे अलग है। एक्सिस माय इंडिया ने टीवीके की सीटों में जबरदस्त उछाल का अनुमान लगाया है, जिसके मुताबिक विजय की पार्टी को 98-120 सीटें मिल सकती हैं। अगर 4 मई को ये आंकड़े सच साबित होते हैं, तो विजय रातों-रात तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। ऐसा होने पर विजय, केजरीवाल की लीग में शामिल हो जाएंगे। एक ऐसा नया चेहरा जो न सिर्फ अपनी जगह बनाता है, बल्कि राज्य की राजनीति का केंद्र बन जाता है और विजय के पास अपनी सुपरस्टार थलाइवर वाली छवि भी है। एक ऐसी चीज जो तमिलनाडु में सालों से काम करती आई है, जैसा कि एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता के उभार के समय देखा गया था।

हालांकि 2013 के दिल्ली चुनाव के विपरीत जहां केजरीवाल सिर्फ भ्रष्टाचार-विरोधी लहर के सहारे आगे बढ़े थे तमिलनाडु का चुनावी मुकाबला काफी पेचीदा है, यह द्रविड़ राजनीति, मजबूत पार्टी तंत्र और दशकों पुरानी मतदाताओं की वफादारी में गहराई से जुड़ा हुआ है। टीवीके का अच्छा प्रदर्शन भी सत्ता नहीं दिला सकता, जब तक कि वह अपनी लोकप्रियता को बूथ-स्तर तक न पहुंचा दे। एक ऐसा क्षेत्र जहां डीएमके और अन्नाद्रमुक जैसे स्थापित खिलाड़ियों को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

अगर टीवीके का प्रदर्शन अनुमानों के निचले दायरे में ही रहता है, तो भी वह सत्ता के लिए तत्काल चुनौती पेश किए बिना, वोटों के

हिस्से और भविष्य के गठबंधनों को बदलने में कामयाब हो सकता है। तो क्या विजय अगले ऐसे बाहरी नेता हैं जो अपनी लहर को जनादेश में बदल सकते हैं, जैसा कि कभी केजरीवाल ने किया था? या फिर वह भी किशोर की शुरुआती राजनीतिक कोशिशों की तरह कोई खास असर छोड़ने में नाकाम रहेंगे? इस सवाल का जवाब तो 4 मई को ही साफ हो पाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक ओमप्रकाश जांगिड़ के लिए स्काईटेक प्रिंटर से मुद्रित एवं प्लॉट नंबर 244 श्याम नगर विस्तार सांगानेर से प्रकाशित फोन नंबर 9784657775 सहायक संपादक, धर्म सिंह गुर्जर, सहयोगी संपादक मुकेश कुमार टेलर पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार ईमेल samudayaknews@gamil.com संपादकीय कार्यालय 105, डीपी कार्प ओके प्लस बिल्डिंग, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर